Literacy for a Billion

Movie: Daag 1952
Year: 1952

Song: Ae Mere Dil Kahin Aur Chal
Lyricist: Shailendra

ऐ मेरे दिल कहीं और चल
ग़म की दुनिया से दिल भर गया
ढूँढाले अब कोई घर नया
ऐ मेरे दिल कहीं और चल
ग़म की दुनिया से दिल भर गया
ढूँढाले अब कोई घर नया
ऐ मेरे दिल कहीं और चल
चल जहाँ ग़म के मारे न हों
झूठी आशा के तारे न हों
चल जहाँ
झूठी आशा के तारे न हों
झुठी आशा के तारे न हों
इन बहारों से क्या फायदा
जिसमें दिल की कली जल गयी

ज़ख्म फिर से हरा हो गया
ऐ मेरे दिल कहीं और चल
चार आँसू कोई रो दिया
फेर के मुँह कोई चल दिया
चार आँसू कोई रो दिया
फेर के मुँह कोई चल दिया
फेर के मुँह कोई चल दिया
लुट रहा था किसी का जहाँ
देखती रह गयी ये जमीं
चुप रहा बेरहम आसमाँ
ऐ मेरे दिल कहीं और चल
ग़म की दुनिया से दिल भर गया
ढूँढाले अब कोई घर नया
ऐ मेरे दिल कहीं और चल

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.